उत्तराखंड राज्य में SPSS सॉफ्टवेयर पर शैक्षणिक संस्थान एस सी आर टी द्वारा दून विश्वविद्यालय में 2 अगस्त से 6 अगस्त 2023 तक आयोजित हुई कार्यशाला

एस सी आर टी ने उत्तराखंड राज्य के शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से दून विश्वविद्यालय में SPSS सॉफ्टवेयर पर एक उच्च-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 2 अगस्त से 6 अगस्त तक समस्त डाइट (District Institute of Education and Training) और एस सी आर टी (State Council of Educational Research and Training) के चयनित फैकल्टी के सदस्यों के लिए आयोजित की गई। यह कार्यशाला उन शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था जो विभिन्न शिक्षा संस्थानों में कार्यरत थे।

कार्यशाला में SPSS सॉफ्टवेयर के विभिन्न पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया था। यह सॉफ्टवेयर अनुसंधान और विश्लेषण के लिए व्यापक विकल्पों का समर्थन करता है और विभिन्न शोध परियोजनाओं में उपयोगी होता है।

इस कार्यशाला में समाधान,विश्लेषण, डेटा विवरण, तुलनात्मक विश्लेषण, और परिणामों के लिए ग्राफिक्स तकनीकों को समझाया गया था। शिक्षण संस्थानों में तैनात शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने इस कार्यशाला में अपने अनुसंधान परियोजनाओं में SPSS का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण और ज्ञान प्राप्त किया।

कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के तौर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह, प्रोफेसर के बी रथ (पूर्व प्राचार्य आर आई अजमेर, एन न सी आर टी) और मो. आरिफ़ सिद्धिकी (एन न सी आर टी) मौजूद रहे और प्रतिभागियों को SPSS सॉफ्टवेयर पर और अनुसंधान पर पूर्ण रूप से

प्रशिक्षित किया। उन्होंने शिक्षार्थियों और शोधकर्ताओं को इस उपकरण के उपयोग में परिपूर्ण बनाने के लिए उन्हें विशेष अभ्यास दिया।

इस कार्यशाला में बन्दना गरबयाल, निदेशक (Additional Director, Research and Training) ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें आगामी अनुसंधान कार्यों में इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस उच्च-स्तरीय कार्यशाला में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उन्नति को बढ़ावा मिलेगा और अधिक से अधिक शिक्षा संस्थानों में SPSS सॉफ्टवेयर के प्रयोग का विस्तार होगा। कार्यशाला के उपक्रमों से प्रतिभागियों को नई कौशल और ज्ञान प्राप्त हुआ होगा, जो उन्हें उनके अनुसंधान कार्यों में और भी सक्रिय बनाएगा।

इस कार्यशाला में, समन्वयक डॉ ए के चौरसिया ने सभी प्रशिक्षण योजनाओं का सफल संचालन किया। **चौरसिया** ने इस कार्यशाला के विभिन्न पहलुओं को संचालित किया, जिसमें प्रशिक्षण योजनाएं, समय सारणी, संसाधनों का प्रबंधन, और संगठन की समृद्धि के लिए संबंधित एक्सेसरीज़ को ध्यान में रखते हुए काम किया गया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण योजनाओं के लिए विशेष ध्यान दिया गया और उन्हें सम्पूर्ण रूप से संचालित किया गया। समन्वयक ने इस कार्यशाला को सुगमता से संचालित किया, जिससे प्रतिभागियों को अपने अध्ययन और अनुसंधान कार्यों में अधिक समय दिया जा सका।

- **आर पी बडोनी एस सी आर टी**